'Road Safety Clubs' to be started in government and private schools of Rajasthan

Road Safety Clubs will soon be started in various Govt. and Private schools of Rajasthan. In this regard, Director of Secondary Education, Shri Sitaram Jat has issued necessary instructions to all Joint Directors. The initiative will spread awareness of road safety amongst students and make them responsible citizens in real life.This initiative is part of the Road Safety Club.

Objective

Students will be oriented about the Traffic Rules and will be motivated to create awareness on Traffic Safety in society through the Road Safety Clubs.

Key Objectives

- To turn road safety into a "mass movement".
- To encourage students to adopt safe traffic behaviours.
- To educate students to become good and responsible citizens by learning through activities.
- To raise the public awareness on road safety.

The formation of Road Safety Clubs in schools has been implemented.Road Safety Clubs (RSC) in schools have been formed.

RASonly

Key Provisions

Club Formation

Road Safety Clubs will be formed in all government and private school in Rajasthan.

As per the initiative, the Kota district has more than 1000 schools that will establish Road Safety Clubs.

The Road Safety Volunteers will be (5–10 students) chosen from each school .

Selected students will participate in road safety awareness activities in their schools, homes and communities.

The training to be offered to students:

Key Topics

- The need for wearing a helmet.
- Obligation of seatbelts.
- Following traffic law on speed.
- No use of mobile phone while driving.
- Knowing and obeying traffic signals.

Role of the Traffic Police

Major Responsibilities

- Meet students in school.
- Describe the true reasons for road accidents?
- Raise students' awareness of the impact of road collisions.
- Teach students how they need helmets and seat belts.
- Describe the risks of exceeding the speed limit.
- Educate pupils on safe driving.
- Offer hands-on road safety education.

Why is this initiative necessary?

Key Reasons

- There are many two-wheeler riders who are not wearing helmets.
- Many people don't wear a seat belt as a sign of politeness.
- The number of youth who tend to speed and perform dangerous stunts is rising.
- This is of great concern as the number of road accidents continues to increase.

RASonly

Expected Benefits

Likely Outcomes

- Enhanced knowledge of road safety issues among pupils.
- Compliance with traffic rules and regulations is improved.
- Positive awareness of road safety in the society.
- Contribution to the decrease of road accidents.
- Safe and responsible citizenship development.

Conclusion

Rajasthan Government's plan to set up Road Safety Clubs in Government/Private schools is an important move towards public involvement in Road Safety. Students will learn about safe road use and build a culture of safe road use with school level awareness activities, hands-on training, and active participation of the traffic police. It is hoped that this will help in the reduction of road crashes and promote responsible attitude towards road safety among the public.

MCQs

Question 1: Who issued the necessary instructions to establish Road Safety Clubs in the schools of Rajasthan?

A) The Chief Minister of Rajasthan

B) Director of Secondary Education, Shri Sitaram Jat

C) The Transport Minister of Rajasthan

D) The Traffic Police Commissioner

- **Correct Answer:** B) Director of Secondary Education, Shri Sitaram Jat
- **Explaination:-** In the administrative setup of school education in Rajasthan, the Directorate of Secondary Education holds the executive authority for implementing state-wide school initiatives. According to the official directive, **Shri Sitaram Jat**, serving as the **Director of Secondary Education**, formally issued the necessary operational guidelines and instructions to all the Joint Directors of the state to ensure the seamless establishment of these clubs across both government and private institutions.

Question 2: How many students will be chosen as Road Safety Volunteers from each school?

A) 1 to 2 students

B) 3 to 5 students

RASonly

C) 5 to 10 students

D) 15 to 20 students

- **Correct Answer:** C) 5 to 10 students
- **Explaination:-** To decentralize the initiative and drive ground-level engagement, the policy mandates the creation of a core student leadership group within each school campus. Specifically, 5 to 10 students will be selected from each institution to act as Road Safety Volunteers. These selected students will be actively trained to lead peer-to-peer awareness campaigns, pass on safety guidelines to their families, and spearhead traffic safety activities within their local communities.

Question 3: Which district in Rajasthan is specifically highlighted as having more than 1,000 schools establishing Road Safety Clubs?

A) Jaipur district

B) Kota district

C) Jodhpur district

D) Udaipur district

- **Correct Answer:** B) Kota district
- **Explaination:-** The mandate applies uniformly to all 50 districts of Rajasthan, the text explicitly emphasizes Kota district as a prominent statistical milestone for the initial phase of the rollout. With an extensive educational network, Kota has more than 1,000 schools (combining both government and private sectors) that are concurrently executing the framework to establish these institutional Road Safety Clubs, making it a major focal point of the mass movement.

राजस्थान के सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में शुरू होंगे 'रोड सेफ्टी क्लब'

राजस्थान के विभिन्न सरकारी और निजी स्कूलों में जल्द ही रोड सेफ्टी (सड़क सुरक्षा) क्लब शुरू किए जाएंगे। इस संबंध में माध्यमिक शिक्षा निदेशक श्री सीताराम जाट ने सभी संयुक्त निदेशकों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए हैं। इस पहल से छात्रों के बीच सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और वे वास्तविक जीवन में जिम्मेदार नागरिक बनेंगे। यह पहल रोड सेफ्टी क्लब का हिस्सा है।

उद्देश्य

रोड सेफ्टी क्लबों के माध्यम से छात्रों को ट्रैफिक नियमों (यातायात नियमों) से अवगत कराया जाएगा और उन्हें समाज में ट्रैफिक सुरक्षा के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

मुख्य उद्देश्य

- सड़क सुरक्षा को एक "जन आंदोलन" में बदलना।

RASonly

- छात्रों को सुरक्षित यातायात व्यवहार अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना।
- गतिविधियों के माध्यम से सीखकर छात्रों को अच्छे और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए शिक्षित करना।
- सड़क सुरक्षा पर सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाना।

स्कूलों में रोड सेफ्टी क्लबों का गठन लागू कर दिया गया है। स्कूलों में रोड सेफ्टी क्लब (RSC) का गठन किया जा चुका है।

मुख्य प्रावधान

क्लब का गठन

- राजस्थान के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में रोड सेफ्टी क्लबों का गठन किया जाएगा।
- इस पहल के तहत, कोटा जिले में 1000 से अधिक स्कूल हैं जो रोड सेफ्टी क्लब स्थापित करेंगे।
- प्रत्येक स्कूल से रोड सेफ्टी वॉलंटियर्स (सड़क सुरक्षा स्वयंसेवक)(5-10 छात्र) चुने जाएंगे ।
- चयनित छात्र अपने स्कूलों, घरों और समुदायों में सड़क सुरक्षा जागरूकता गतिविधियों में भाग लेंगे।

छात्रों को दिया जाने वाला प्रशिक्षण:

मुख्य विषय

- हेलमेट पहनने की आवश्यकता।
- सीट बेल्ट की अनिवार्यता।
- गति (स्पीड) से संबंधित यातायात नियमों का पालन करना।
- ड्राइविंग करते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करना।
- ट्रैफिक सिग्नलों को जानना और उनका पालन करना।

ट्रैफिक पुलिस की भूमिका

प्रमुख जिम्मेदारियां

- स्कूल में छात्रों से मिलना।
- सड़क दुर्घटनाओं के वास्तविक कारणों का वर्णन करना।
- सड़क दुर्घटनाओं के प्रभाव के बारे में छात्रों की जागरूकता बढ़ाना।
- छात्रों को यह सिखाना कि उन्हें हेलमेट और सीट बेल्ट की आवश्यकता क्यों है।
- गति सीमा (स्पीड लिमिट) से अधिक तेज चलने के जोखिमों का वर्णन करना।
- छात्रों को सुरक्षित ड्राइविंग के बारे में शिक्षित करना।
- व्यावहारिक (हैंड्स-ऑन) सड़क सुरक्षा शिक्षा प्रदान करना।

यह पहल क्यों आवश्यक है?

मुख्य कारण

- ऐसे कई दुपहिया वाहन चालक हैं जो हेलमेट नहीं पहन रहे हैं।
- कई लोग शालीनता या औपचारिकता के चक्कर में सीट बेल्ट नहीं पहनते हैं।
- ऐसे युवाओं की संख्या बढ़ रही है जो तेज गति से गाड़ी चलाते हैं और खतरनाक स्टंट करते हैं।
- यह अत्यधिक चिंता का विषय है क्योंकि सड़क दुर्घटनाओं की संख्या लगातार बढ़ रही है।

अपेक्षित लाभ

संभावित परिणाम

RASonly

- छात्रों के बीच सड़क सुरक्षा के मुद्दों पर बेहतर ज्ञान।
- यातायात नियमों और विनियमों के अनुपालन में सुधार।
- समाज में सड़क सुरक्षा के प्रति सकारात्मक जागरूकता।
- सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने में योगदान।
- सुरक्षित और जिम्मेदार नागरिकता का विकास।

निष्कर्ष

राजस्थान सरकार की सरकारी/निजी स्कूलों में रोड सेफ्टी क्लब स्थापित करने की योजना सड़क सुरक्षा में जनता की भागीदारी की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। स्कूल स्तर की जागरूकता गतिविधियों, व्यावहारिक प्रशिक्षण और ट्रैफिक पुलिस की सक्रिय भागीदारी से छात्र सुरक्षित सड़क उपयोग के बारे में सीखेंगे और सुरक्षित सड़क उपयोग की संस्कृति का निर्माण करेंगे। यह आशा की जाती है कि इससे सड़क दुर्घटनाओं को कम करने में मदद मिलेगी और जनता के बीच सड़क सुरक्षा के प्रति जिम्मेदार रवैये को बढ़ावा मिलेगा।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

प्रश्न **1:** राजस्थान के स्कूलों में रोड सेफ्टी क्लब स्थापित करने के लिए आवश्यक निर्देश किसने जारी किए हैं**?**
A) राजस्थान के मुख्यमंत्री

B) माध्यमिक शिक्षा निदेशक, श्री सीताराम जाट

C) राजस्थान के परिवहन मंत्री

D) यातायात पुलिस कमिश्नर

- सही उत्तर**: B)** माध्यमिक शिक्षा निदेशक**,** श्री सीताराम जाट
- व्याख्या**:** राजस्थान में स्कूली शिक्षा के प्रशासनिक ढांचे के अंतर्गत, राज्य-स्तरीय स्कूली पहलों को लागू करने का कार्यकारी अधिकार माध्यमिक शिक्षा निदेशालय के पास होता है। आधिकारिक निर्देश के अनुसार, माध्यमिक शिक्षा निदेशक के रूप में कार्यरत श्री सीताराम जाट ने सरकारी और निजी दोनों संस्थानों में इन क्लबों की निर्बाध स्थापना सुनिश्चित करने के लिए राज्य के सभी संयुक्त निदेशकों को औपचारिक रूप से आवश्यक परिचालन दिशानिर्देश और निर्देश जारी किए हैं।

प्रश्न **2:** प्रत्येक स्कूल से कितने छात्रों को रोड सेफ्टी वॉलंटियर्स (सड़क सुरक्षा स्वयंसेवक) के रूप में चुना जाएगा**?**
A) 1 से 2 छात्र

B) 3 से 5 छात्र

C) 5 to 10 छात्र

D) 15 से 20 छात्र

- सही उत्तर**: C) 5** से **10** छात्र
- व्याख्या**:** इस पहल का विकेंद्रीकरण करने और जमीनी स्तर पर जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए, यह नीति प्रत्येक स्कूल परिसर के भीतर एक मुख्य छात्र नेतृत्व समूह बनाने का आदेश देती है। विशेष रूप से, प्रत्येक संस्थान से **5** से **10** छात्रों का चयन रोड सेफ्टी वॉलंटियर्स के रूप में कार्य करने के लिए किया जाएगा। इन चयनित छात्रों को सक्रिय रूप से प्रशिक्षित किया जाएगा ताकि वे अपने साथियों के बीच जागरूकता अभियान चला सकें, अपने परिवारों को सुरक्षा दिशानिर्देश दे सकें और अपने स्थानीय समुदायों में यातायात सुरक्षा गतिविधियों का नेतृत्व कर सकें।

RASonly

प्रश्न **3:** राजस्थान के किस जिले को विशेष रूप से रेखांकित किया गया है जहाँ **1,000** से अधिक स्कूल रोड सेफ्टी क्लब स्थापित कर रहे हैं**?**

A) जयपुर जिला

B) कोटा जिला

C) जोधपुर जिला

D) उदयपुर जिला

- सही उत्तर**: B)** कोटा जिला
- व्याख्या**:** हालांकि यह आदेश राजस्थान के सभी जिलों पर समान रूप से लागू होता है, लेकिन पाठ में विशेष रूप से कोटा जिले को इस शुरुआत के प्रारंभिक चरण के लिए एक प्रमुख सांख्यिकीय मील के पत्थर के रूप में रेखांकित किया गया है। एक व्यापक शैक्षिक नेटवर्क के साथ, कोटा में **1,000** से अधिक स्कूल (सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों को मिलाकर) हैं जो इस जन आंदोलन का एक प्रमुख केंद्र बनते हुए, इन संस्थागत रोड सेफ्टी क्लबों को स्थापित करने के लिए रूपरेखा को एक साथ लागू कर रहे हैं।

Jaipur Metro Phase-2:Tonk Road Corridor, Phase-1C, Phase-1D & Future Expansion

The foundation stone of the Jaipur Metro Phase-2 project will be virtually laid by Prime Minister Narendra Modi on 4 July 2026. The programme is going to be held at the Sahibabad Man Singh (SMS) stadium, Jaipur. The State Government and the Jaipur Metro have been making the last minute preparations. After the laying of foundation stone, the work will commence on the first phase of the project, likely to be the Tonk Road corridor first.

Background

Jaipur Metro Phase-2 is a huge achievement for the city of Jaipur. The project will aim to enhance the mobility of urban citizens, mitigate traffic congestion and enable more efficient, safer and environmentally friendly public transport. The total estimated cost of the project is ₹13,037.67 crore.

Jaipur Metro Phase-2

Key Highlights

The foundation stone will be laid by the Prime Minister, Shri Narendra Modi, virtually on 4 July 2026.
The programme of the inauguration will be conducted in SMS Stadium, Jaipur.
The foundation ceremony will be followed by the start of construction on the first **10-km stretch**.
The Tonk Road section is likely to be the first section to be made operational under the Phase-2.
The first construction package consists of twin stations to be built underground.
Work order for Package-1 (Prahladpura to Pinjrapole Gaushala) is already out with Jaipur Metro.
Tenders have been invited too for **Package-2** comprising of **Sanganer Police Station** and **Airport underground stations**.
This section is expected to be the first part to be completed and is expected to help the metro open earlier according to Metro officials.

Construction Strategy

Jaipur Metro has opted for breaking the remaining corridor into three separate construction packages for quicker execution.

The advantages of package-wise construction are plentiful.The pros of package-wise construction are numerous.

More quickly work is carried out.
Concurrently building at several sites.

- Better project monitoring.
  The timely completion of the corridor.
  Effective use of money and machinery.

Other Jaipur Metro Projects

Phase-1C (Badi Chaupar – Transport Nagar)

Current Status

RASonly

The foundation stone was laid in the presence of then Chief Minister Ashok Gehlot in September, 2023.
Originally planned to be completed in January 2027 (40 months).
Construction was suspended for almost one year.
Changes to the design and a review process caused a delay in the project.
New completion date: June 2028.
The suggested plan for building a station at Ramganj has now been substituted by the new plan to construct a station at Galta Gate.

Future Expansion Plan-1

The future expansion of the Phase-1C corridor has also been taken into consideration.

Proposed Extension from **Galta Gate Station** to **Khole Ke Hanuman Ji** and **Amer**.

- Proposed Route Length: **3.8 km**.

The Mansarovar – Ajmer Road is a phase-1D road.

Current Status

- The laying of the foundation stone took place in March 2024.
  Originally intended to be completed within a two year period.
  Currently under construction.
  The officials of the Jaipur Metro now have the target of completing it by September 2027.

Future Expansion Plan-2

There has been a strong indication of potential for further growth through a passenger demand survey.

Suggested extension of the road from **Heerapura Bus Terminal** to **Prithviraj Nagar** and **Vaishali Nagar**.

- Proposed Route Length: **1.35 km**.

Present Status of Jaipur Metro

Currently, Jaipur Metro is operational on an 11.03-km corridor between Mansarovar and Badi Chaupar.
About **60,000 passengers** are using Jaipur Metro daily.
During Phase-2, the expansion is expected to bring in major increases in ridership by linking key residential, commercial, educational and airport hubs in the city.

RASonly

Expected Benefits

Major Outcomes

Improved connectivity of public transport in Jaipur.
Less congestion on main roads.
Enhanced commuter safety and speed of travel.
Enhanced access to Airport and key areas of the city.
Vehicles pollution reduction due to increased use of public transportation.
Promotion of sustainable urban development.
Improved economic activity on the metro corridor.
Improved access for local residents, students, office workers and visitors.

Conclusion

Jaipur Metro Phase-2 is a significant part of the urban infrastructure development in Rajasthan and a major milestone in the transformation of the public transportation in Jaipur. The project will start with the Tonk Road corridor, enhancing connectivity between various areas of the city such as residential neighbourhoods, commercial centres, and the airport. In addition to the current Phase-1C and Phase-1D extensions, and further expansion plans for the future, Jaipur Metro is likely to play a vital role in alleviating congestion, enhancing sustainable transportation options, and contributing to the long-term urban development of Jaipur.

MCQs

Question 1

Who will virtually lay the foundation stone of the Jaipur Metro Phase-2 project, and on which date?

A) Chief Minister of Rajasthan on September 2023

B) Prime Minister Narendra Modi on 4 July 2026

C) Transport Minister of Rajasthan on March 2024

D) Union Urban Development Minister on September 2027

- **Correct Answer: B) Prime Minister Narendra Modi on 4 July 2026**
- **Explanation:** According to the official details provided, the foundation stone for the massive Jaipur Metro Phase-2 project will be virtually laid by Prime Minister Narendra Modi. The high-profile ceremony is scheduled to take place on 4 July 2026 at the Sawai Mansingh (SMS) Stadium in Jaipur, marking the official commencement of the Phase-2 project.

Question 2

RASonly

What is the revised completion deadline for the Jaipur Metro Phase-1C (Badi Chaupar – Transport Nagar) project after its one-year work suspension?

A) January 2027

B) September 2027

C) June 2028

D) March 2029

- **Correct Answer: C) June 2028**
- **Explanation:** The Phase-1C expansion corridor (Badi Chaupar to Transport Nagar) was originally scheduled to be completed by January 2027. However, due to a suspension of construction for nearly a year alongside design modifications (such as changing the station location from Ramganj to Galta Gate), the project timeline has been officially pushed back to a new target completion date of June 2028.

Question 3
What is the total estimated cost of the Jaipur Metro Phase-2 project?

A) ₹11,037.67 crore

B) ₹13,037.67 crore

C) ₹15,000.00 crore

D) ₹10,000.00 crore

- **Correct Answer: B) ₹13,037.67 crore**
- **Explanation:**The Jaipur Metro Phase-2 is a huge achievement for the city, aiming to enhance the mobility of urban citizens and mitigate traffic congestion. The total estimated cost of this entire ambitious infrastructure project is pegged at **₹13,037.67 crore**.

जयपुर मेट्रो फेज-2: टोंक रोड कॉरिडोर, फेज-1C, फेज-1D और भविष्य के विस्तार

जयपुर मेट्रो फेज-2 परियोजना का शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 4 जुलाई 2026 को वर्चुअली (आभासी रूप से) किया जाएगा। यह कार्यक्रम सवाई मानसिंह (SMS) स्टेडियम, जयपुर में आयोजित होने जा रहा है। राज्य सरकार और जयपुर मेट्रो प्रशासन आखिरी समय की तैयारियों में जुटे हैं। शिलान्यास के बाद परियोजना के पहले चरण पर काम शुरू होगा, जिसके तहत सबसे पहले टोंक रोड कॉरिडोर का निर्माण होने की संभावना है।

पृष्ठभूमि

जयपुर मेट्रो फेज-2 जयपुर शहर के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। इस परियोजना का उद्देश्य शहरी नागरिकों की गतिशीलता को बढ़ाना, यातायात की भीड़ को कम करना और अधिक कुशल, सुरक्षित व

RASonly

पर्यावरण के अनुकूल सार्वजनिक परिवहन उपलब्ध कराना है। इस परियोजना की कुल अनुमानित लागत ₹13,037.67 करोड़ है।

जयपुर मेट्रो फेज-2: मुख्य विशेषताएं

- प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 4 जुलाई 2026 को वर्चुअली इस परियोजना की आधारशिला रखी जाएगी।
- उद्घाटन कार्यक्रम जयपुर के SMS स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा।
- शिलान्यास समारोह के तुरंत बाद पहले 10 किलोमीटर के हिस्से पर निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा।
- फेज-2 के तहत टोंक रोड खंड के सबसे पहले चालू होने की उम्मीद है।
- पहले निर्माण पैकेज में भूमिगत (underground) बनाए जाने वाले जुड़वां स्टेशन शामिल हैं।
- पैकेज-1 (प्रह्लादपुरा से पिंजरापोल गोशाला) के लिए जयपुर मेट्रो द्वारा वर्क ऑर्डर पहले ही जारी किया जा चुका है।
- पैकेज-2 के लिए भी निविदाएं (tenders) आमंत्रित की जा चुकी हैं, जिसमें सांगानेर थाना और एयरपोर्ट भूमिगत स्टेशन शामिल हैं।
- मेट्रो अधिकारियों के अनुसार, इस खंड के सबसे पहले पूरा होने की उम्मीद है, जिससे मेट्रो को समय से पहले शुरू करने में मदद मिलेगी।

निर्माण रणनीति

जयपुर मेट्रो ने काम को तेजी से पूरा करने के लिए शेष कॉरिडोर को तीन अलग-अलग निर्माण पैकेजों में विभाजित करने का विकल्प चुना है। पैकेज-वार निर्माण के कई फायदे हैं:

- काम अधिक तेजी से पूरा होता है।
- एक साथ कई साइटों पर निर्माण कार्य किया जा सकता है।
- परियोजना की बेहतर निगरानी (monitoring) संभव होती है।
- कॉरिडोर का समय पर पूरा होना सुनिश्चित होता है।
- धन और मशीनरी का कुशल उपयोग होता है।

जयपुर मेट्रो की अन्य परियोजनाएं

फेज-1C (बड़ी चौपड़ – ट्रांसपोर्ट नगर)

वर्तमान स्थिति

- सितंबर 2023 में तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की उपस्थिति में इसकी आधारशिला रखी गई थी।
- मूल रूप से इसे जनवरी 2027 (40 महीने) में पूरा करने की योजना थी।
- निर्माण कार्य लगभग एक वर्ष तक निलंबित (suspended) रहा।
- डिजाइन में बदलाव और समीक्षा प्रक्रिया के कारण इस परियोजना में देरी हुई।
- नई पूर्ण होने की तिथि: जून 2028।
- रामगंज में स्टेशन बनाने की प्रस्तावित योजना को अब गलता गेट पर स्टेशन बनाने की नई योजना से बदल दिया गया है।

भविष्य की विस्तार योजना-1

- फेज-1C कॉरिडोर के भविष्य के विस्तार पर भी विचार किया गया है।
- गलता गेट स्टेशन से खोले के हनुमान जी और आमेर तक प्रस्तावित विस्तार।
- प्रस्तावित मार्ग की लंबाई: 3.8 किमी।

RASonly

मानसरोवर – अजमेर रोड (फेज-1D)

वर्तमान स्थिति

- मार्च 2024 में इसकी आधारशिला रखी गई थी।
- मूल रूप से इसे दो साल की अवधि के भीतर पूरा करने का लक्ष्य था।
- वर्तमान में यह निर्माणाधीन है।
- जयपुर मेट्रो के अधिकारियों ने अब इसे सितंबर 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा है।

भविष्य की विस्तार योजना-2

- यात्री मांग सर्वेक्षण के माध्यम से आगे के विस्तार की मजबूत संभावनाएं दिखाई दी हैं।
- हीरापुरा बस टर्मिनल से पृथ्वीराज नगर और वैशाली नगर तक मार्ग के विस्तार का सुझाव दिया गया है।
- प्रस्तावित मार्ग की लंबाई: 1.35 किमी।

जयपुर मेट्रो की वर्तमान स्थिति

- वर्तमान में, जयपुर मेट्रो मानसरोवर और बड़ी चौपड़ के बीच 11.03 किलोमीटर के कॉरिडोर पर संचालित हो रही है।
- प्रतिदिन लगभग 60,000 यात्री जयपुर मेट्रो का उपयोग कर रहे हैं।
- फेज-2 के दौरान, इस विस्तार से शहर के प्रमुख आवासीय, वाणिज्यिक, शैक्षणिक और हवाई अड्डा केंद्रों को जोड़कर यात्रियों की संख्या (ridership) में भारी वृद्धि होने की उम्मीद है।

अपेक्षित लाभ और मुख्य परिणाम (Expected Benefits)

- जयपुर में सार्वजनिक परिवहन की कनेक्टिविटी में सुधार।
- मुख्य सड़कों पर ट्रैफिक की भीड़ में कमी।
- यात्रियों की सुरक्षा और यात्रा की गति में सुधार।
- हवाई अड्डे और शहर के प्रमुख क्षेत्रों तक बेहतर पहुंच।
- सार्वजनिक परिवहन के बढ़ते उपयोग के कारण वाहनों से होने वाले प्रदूषण में कमी।
- सतत शहरी विकास (sustainable urban development) को बढ़ावा।
- मेट्रो कॉरिडोर पर आर्थिक गतिविधियों में सुधार।
- स्थानीय निवासियों, छात्रों, कार्यालय कर्मचारियों और पर्यटकों के लिए आवागमन में आसानी।

निष्कर्ष (Conclusion)

जयपुर मेट्रो फेज-2 राजस्थान में शहरी बुनियादी ढांचे (infrastructure) के विकास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और जयपुर में सार्वजनिक परिवहन के कायाकल्प में एक बड़ा मील का पत्थर है। यह परियोजना टोंक रोड कॉरिडोर से शुरू होगी, जो शहर के विभिन्न क्षेत्रों जैसे आवासीय सोसायटियों, वाणिज्यिक केंद्रों और हवाई अड्डे के बीच संपर्क को बढ़ाएगी। वर्तमान फेज-1C और फेज-1D विस्तार तथा भविष्य की अन्य विस्तार योजनाओं के साथ, जयपुर मेट्रो आने वाले समय में भीड़भाड़ को कम करने, टिकाऊ परिवहन विकल्पों को बढ़ाने और जयपुर के दीर्घकालिक शहरी विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

प्रश्न **1**

जयपुर मेट्रो फेज**-2** परियोजना का वर्चुअली **(**आभासी रूप से**)** शिलान्यास कौन और किस तारीख को करेगा**?**

RASonly

A) सितंबर 2023 में राजस्थान के मुख्यमंत्री

B) 4 जुलाई 2026 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

C) मार्च 2024 में राजस्थान के परिवहन मंत्री

D) सितंबर 2027 में केंद्रीय शहरी विकास मंत्री

- सही उत्तर: **B) 4** जुलाई **2026** को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी
- व्याख्या: दिए गए आधिकारिक विवरण के अनुसार, विशाल जयपुर मेट्रो फेज-2 परियोजना का शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्चुअली किया जाएगा। इस हाई-प्रोफाइल कार्यक्रम का आयोजन जयपुर के सवाई मानसिंह (SMS) स्टेडियम में 4 जुलाई 2026 को होना तय हुआ है, जो फेज-2 परियोजना की आधिकारिक शुरुआत का प्रतीक है।

प्रश्न **2**

एक साल तक निर्माण कार्य स्थगित रहने के बाद जयपुर मेट्रो फेज**-1C** (बड़ी चौपड़ - ट्रांसपोर्ट नगर) परियोजना के लिए संशोधित समापन समय-सीमा (डेडलाइन) क्या है**?**

A) जनवरी 2027

B) सितंबर 2027

C) जून 2028

D) मार्च 2029

- सही उत्तर: **C)** जून **2028**
- व्याख्या: फेज-1C विस्तार कॉरिडोर (बड़ी चौपड़ से ट्रांसपोर्ट नगर) को मूल रूप से जनवरी 2027 तक पूरा करने की योजना थी। हालांकि, लगभग एक वर्ष तक निर्माण कार्य निलंबित रहने और साथ ही डिजाइन में बदलाव (जैसे स्टेशन के स्थान को रामगंज से बदलकर गलता गेट करना) के कारण, इस परियोजना की समय-सीमा को आधिकारिक तौर पर आगे बढ़ाकर जून 2028 का नया लक्ष्य तय किया गया है।

प्रश्न **3**
जयपुर मेट्रो फेज**-2** परियोजना की कुल अनुमानित लागत कितनी है**?**

A) ₹11,037.67 करोड़

B) ₹13,037.67 करोड़

C) ₹15,000.00 करोड़

D) ₹10,000.00 करोड़

- सही उत्तर: **B) ₹13,037.67** करोड़
- व्याख्या: जयपुर मेट्रो फेज-2 शहर के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि है जिसका उद्देश्य शहरी नागरिकों की गतिशीलता को बढ़ाना और यातायात की भीड़ को कम करना है। इस पूरी महत्वाकांक्षी बुनियादी ढांचा (Infrastructure) परियोजना की कुल अनुमानित लागत **₹13,037.67** करोड़ तय की गई है।

RASonly

RASonly